[This question paper contains 2 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **1692** **I**

Unique Paper Code : 2052103501

Name of the Paper : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : V

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

निर्देश :

(क) इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

(ख) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. अरस्तू के अनुसार त्रासदी को पारिभाषित करते हुए उसके तत्वों का निरुपण कीजिए। 18

अथवा

लोंजाइनस के उदात्त सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

2. कॉलरिज के कल्पना सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए। 18

P.T.O.

अथवा

'कविता व्यक्तित्व की अभिव्यक्ति नहीं, व्यक्तित्व से पलायन है।' इस कथन के संदर्भ में टी.एस. इलियट के निर्वैयक्तिकता के सिद्धान्त की समीक्षा कीजिए।

3. स्वच्छंदतावाद की अवधारणा पर विचार कीजिए। 18

अथवा

संरचनावाद का विश्लेषण कीजिए।

4. बिम्ब की परिभाषा देते हुए काव्य में उसकी भूमिका पर प्रकाश डालिए। 18

अथवा

विसंगति और विडम्बना की अवधारणा को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : 9+9=18

(क) अनुकरण सिद्धान्त

(ख) वर्ड्सवर्थ की काव्य भाषा विषयक मान्यता

(ग) यथार्थवाद

(घ) फैंटेसी

***